an>

Title: Need to accord the status of a Central University to Dr. Sir Hari Singh Gaur University, Sagar, Madhya Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर) : सभापति महोदया, डा. सर हरी सिंह विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश का काफी प्राचीन और महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है। इस विश्वविद्यालय से अध्ययन करके निकलने वाले छात्र विश्व के कई राष्ट्रों में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करते रहे हैं और भारत का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। काफी लम्बी अवधि से इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिये जाने की मांग वहां के छात्रों, नागरिकों और बुद्धिजीवियों द्वारा की जा रही है। पिछले दिनों हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की थी कि उन सभी राज्यों में, जहां केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं है, वहां एक-एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाया जायेगा। मैं इस संबंध में कहना चाहूंगा कि 17 जुलाई, 2006 को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री सागर विश्वविद्यालय के हीरक जयन्ती समारोह में शामिल हुये थे और उन्होंने सागर विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाये जाने का आश्वासन दिया था। विश्वविद्यालय की ग्रेडिंग करने के लिये एक कमेटी बनी है जिसने पिछले दिनों मध्य प्रदेश का दौरा किया था। उस कमेटी ने सागर विश्वविद्यालय को ए+ग्रेड का दर्जा दिया है और कहा है कि डा. सर हरी सिंह विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाया जाय। इस संबंध में एक प्रस्ताव भी मध्य प्रदेश शासन द्वारा केन्द्रीय सरकार के समक्ष भेजा गया है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि डा. सर हरी सिंह विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का और डा. सर हरी सिंह को, जो दानवीर भामाशाह के सहयोग से यह विश्वविद्यालय बना है, उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने में सहयोग करें।